राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

June 2022

दैनिक जागरण, शुक्रवार, 03 जून 2022, Page No.04.

छात्रों को शिक्षित कर देश का निर्माण करते हैं शिक्षक

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) श्रीनगर में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में उत्पादकता वृद्धि के लिए क्षमता निर्माण विषय पर आयोजित यह कार्यक्रम देश की आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला में एनआइटी की फैकल्टियों को अपडेट करने के लिए निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने पहल शुरू की है।

एनआइटी संकाय विकास कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य वक्ता एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि छात्र-छात्राओं को शिक्षित कर देश निर्माण करने का गुरुत्तर दायित्व शिक्षक वहन करते हैं। प्रो. ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से संस्थान के फैकल्टियों के कार्य व्यवहार के साथ ही उनके जीवन की गुणवत्ता को भी बढ़ाना उद्देश्य है।

बतौर विषय विशेषज्ञ आर्ट आफ लीविंग संस्था के वरुण उपाध्याय ने कहा कि युवा पीढ़ी के समग्र व्यक्तित्व को निखारने के लिए शिक्षाविद् प्रेरक का काम भी करते हैं। युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में लगाने से समाज में बड़े स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन भी होता है। विषय विशेषज्ञ पालोमी मुखर्जी ने एनआइटी के सभी फैकल्टियों से नियमित रूप से ध्यान करने का भी आग्रह किया। ध्यान से दैनिक जीवन में आने वाले तनाव को भी दूर किया जा सकता है। उद्घाटन सत्र का संचालन समन्वयक संकाय और कर्मचारी विकास डा. अभिनव कुमार ने किया गया। डीन फैकल्टी वेलफेयर डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी द्वारा इस संकाय विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया गया।

आर्ट आफ लीविंग के वरुण उपाध्याय तथा सुश्री पालोमी मुखर्जी कार्यक्रम का संचालन किया।

शिक्षण और अनुसंधान में नैतिक मूल्यों को लाने पर दिया जोर

■ एनआईटी में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर में त्पादकता वृद्धि के लिए क्षमता र्माण विषय पर पांच दिवसीय ंकाय विकास कार्यक्रम एफडीपी) का शुभारंभ हुआ। इस ीके पर डीन, फैकल्टी वेल्फेयर डा. र्मेंद्र त्रिपाठी ने कार्यक्रम की रुपरेखा खी। कहा कि पांच दिनों तक चलने ाले इस कार्यक्रम में इंटरएक्टिव त्र, समूह चर्चा, अनुभवात्मक ाक्षा, टीम गतिविधियां, पैनल चर्चा, ोग, प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया आदि गतिविधियां करवाई जायेगी। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए आत्मनिरीक्षण और आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से शिक्षण और अनुसंधान में नैतिक मूल्यों को लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संकाय सदस्यों के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना है ताकि वे आत्मनिरीक्षण कर सकें और तकनीक सीख सकें। जो उनके शिक्षण में नैतिकता और नैतिकता को आत्मसात कर सकें और आधुनिक समाज में सक्रिय और सफल भागीदारी के लिए छात्रों को तैयार करने में मदद कर सकें। कहा कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चो को जान देना ही नहीं अपितु उनको जीवन कि कठिन चुनौतियों में खरा उतरने के लिए तैयार करना भी हैं। आर्ट ऑफ लिविंग संगठन के युवा विकास के क्षेत्रीय निदेशक वरुण उपाध्याय ने कहा कि शिक्षाविद युवा पीढ़ी के समग्र व्यक्तित्व को निखारने के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं। युवा मन को प्रज्वलितकरने और उनकी उर्जा को सही दिशा में लगाने से समाज में बड़े स्तर पर परिवर्तन हो सकता है। आर्ट ऑफ लिविंग संगठन के सरक. ारी कार्यक्रमों की क्षेत्रीय निदेशक पौलोमी मुखर्जी ने संकाय सदस्यों को नियमित रूप से ध्यान करने के लिए प्रोत्साहित किया और दैनिक जीवन में तनाव से निपटने के लिए श्वास नियंत्रण की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान उन्होंने संकाय सदस्यों के साथ 20 मिनट का निर्देशित ध्यान सत्र भी आयोजित किया।

अमर उजाला, शुक्रवार, 03 जून 2022, Page No.04.

शिक्षा ही कठिन चुनौतियों के लिए व्यक्ति को करती है तैयार

संवाद न्यूज एजेंसी

एनआईटी में शुरु हुई शैक्षिक विकास कार्यशाला

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'उत्पादकता वृद्धि एवं क्षमता निर्माण' पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शैक्षिक विकास एवं शैक्षणिक गुणवत्ता पर जोर दिया गया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान के साथ ही व्यक्ति को कठिन चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

उन्होंने आत्म निरीक्षण और आत्म साक्षात्कार के माध्यम से शिक्षण और अनुसंधान में नैतिक मूल्यों पर जोर दिया। कार्यशाला में आर्ट ऑफ लिविंग संगठन के युवा विकास क्षेत्रीय निदेशक वरुण उपाध्याय ने कहा कि शिक्षाविद युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व को निखारने के लिए उत्प्रेरक हैं। साथ ही उनकी ऊर्जा को सही दिशा देने का काम करते हैं। आर्ट ऑफ लिविंग संगठन के सरकारी कार्यक्रमों की क्षेत्रीय निदेशक पॉलोमी मुखर्जी ने संकाय सदस्यों को तनाव से मुक्ति के लिए नियमित ध्यान करने का सुझाव दिया। इस मौके पर डा. अभिनव कुमार, डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी (डीन फैकल्टी वेलफेयर), एसोसिएट डीन फैकल्टी वेलफेयर डा. विनोद सिंह यादव मौजूद रहे।

अमर उजाला, शनिवार, 04 जून 2022

एनआईटी परिसर के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

बैठक लेते हुए बीओजी अध्यक्ष डॉ. त्यागी। संवाद

एनआईटी शासक मंडल के अध्यक्ष ने किया का दौरा

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड के बीओजी (शासक मंडल) के अध्यक्ष डॉ. आरके त्यागी ने संस्थान के अस्थायी परिसर निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए कहा। इसके अलावा उन्होंने स्थायी परिसर के लिए स्वीकृत स्थल (सुमाड़ी) का भी दौरा किया। कहा कि इस संस्थान का परिसर पूरे देश का सबसे सुंदर परिसर होगा।

शुक्रवार को एनआईटी के बीओजी अध्यक्ष डॉ. त्यागी यहां पहुंचे। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अस्थायी परिसर में पौधरोपण किया। इसके बाद उन्होंने परिसर निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के साथ अस्थायी परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया। डॉ. त्यागी ने निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। इसके बाद उन्होंने कार्यदायी संस्था सीपीडब्लूडी के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अगस्त माह से संस्थान में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है। इसलिए संस्था जल्द कार्य पूरा करे। उन्होंने एनआईटी परिसर के निदेशक प्रो. ललित और कुलसचिव डॉ. पीएम काला समेत संकाय सदस्यों की बैठक ली। उन्होंने संकाय सदस्य को सलाह दी कि अपनी-अपनी शाखा में छह-छह छात्रों का चयन करके उनका मार्गदर्शन करने को कहा। संवाद

बीओजी चेयरमैन ने एनआईटी अस्थाई कैंपस की धीमी गति पर जताई नाराजगी

■ बीओजी चेयरमैन डा. त्यागी सुमाड़ी में बन रहे स्थाई कैंपस का लिया जायजा

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड, श्रीनगर में बोर्ड ऑल गर्वनर (बीओजी) चेयरमैन डा. आर के त्यागी ने संस्थान में चल रहे अस्थायी कैंपस निर्माण कार्य की गतिविधिओ का निरिक्षण किया। साथ ही एनआईटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी के साथ सुमाड़ी में बनने वाले स्थाई कैंपस की कार्य प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होने अस्थायी कैंपस के निर्माण कार्य कि गति बहुत धीमी होने पर कार्यदायी संस्था के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर शैक्षिक कार्यक्रम के अनुसार छात्रों के संस्थान में आगमन को ध्यान में रखते हुए अस्थायी कैंपस श्रीनगर में निर्माण कार्य को अतिशीघ्र पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने को कहा।

डॉ. त्यागी ने कार्यदायी संस्था के साथ सुमाड़ी के कैंपस के निर्माण के लिए संस्थान कि तरफ से किये गए प्रयासों कि सराहना की। उन्होने कार्यदायी संस्था को सुमाड़ी के काम को अतिशीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। डा. त्यागी ने सुमाड़ी में बनने वाले स्थाई कैंपस के ड्रॉइंग्स एवं मास्टर प्लान का भी अवलोकन किया गया। कहा कि एनआईटी श्रीनगर का सुमाड़ी कैंपस जब बनकर तैयार होगा तो यह पुरे देश का सबसे सुन्दर कैंपस होगा। इसके बाद उन्होने संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, कुलसचिव डा. प्रभारकर मणि काला सहित विभागाध्यक्षों, डीन एवं संकाय सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक को सम्बोधित करते हुए बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी ने अपने जीवन में उच्च मापदंडों को अपनाते हुए एक आदर्श स्थापित करने की सलाह दी।

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलक्टर महोदय नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल

रे० वाद सं०- 25 सन- 2019-20

जुगल किशोर

बनाम

जगदीश प्रसाद आदि

नोटिस बनाम- प्रतिवादीगण-1,

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलक्टर महोदय नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल

रे० वाद सं0- 03 सन- 2021

राजेन्द्र प्रसाद आदि

बनाम

ऋषिराम आदि

नोटिस बनाम- प्रतिवादीगण-1,

ऋषिराम पुत्र नकटूराम उर्फ नत्थीलाल

कैंपस निर्माण कार्य में तेजी लाएं

एनआइटी बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी ने संस्थान में निर्माण कार्यों को देखा

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर के बोर्ड आफ गवर्नर (बीओजी) के चेयरमैन डा. आरके त्यागी ने शुक्रवार को श्रीनगर में एनआइटी संस्थान के अस्थायी कैंपस में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए कार्यों की गति धीमी होने पर निर्माणदायी संस्था के अभियंताओं से तेजी लाने के निर्देश दिए। कहा कि शैक्षिक सत्र शुरू होने को ध्यान में रख निर्माण कार्यों को अतिशीघ्र पूरा करें।

सुमाड़ी में बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी ने कहा कि एनआइटी का सुमाड़ी कैंपस देश का सबसे सुंदर कैंपस भी होगा। इस अवसर पर एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर इस वर्ष संस्थान परिसर में विभिन्न प्रजाति के 500 से अधिक पौधों को रोपित करने का लक्ष्य लेकर कार्ययोजना अमल में लाई जा रही है। इससे पूर्व डा. त्यागी ने श्रीनगर संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया। डा. आरके त्यागी ने श्रीनगर के संस्थान सभागार में निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, कुलसचिव डा. प्रभाकरमणि काला के साथ ही सभी विभागाध्यक्षों, संकाय अध्यक्षों और फैकल्टियों के साथ बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने सभी फैकल्टी से कहा कि वह अपनी-अपनी शाखा में छह-छह छात्रों का चयन कर उनके बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए व्यक्तिगत रूप से उनका मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी लें। उन्होंने संकाय सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि वह भी अपने छात्र के लिए रोल माडल बने। तकनीकी और प्रगति की प्रतिस्पर्द्धा में आगे बने रहने के लिए फैकल्टियों से हर समय अपडेट बने रहने का आह्वान भी किया। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी के किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए डा. त्यागी ने कहा कि प्रो. अवस्थी अपनी अनूठी कार्यशैली को लेकर देश के प्रौद्योगिकी और तकनीकी संस्थानों में विख्यात भी हैं। प्रो. अवस्थी ने संस्थान की शैक्षणिक और शोध उपलब्धियों के बारे में उन्हें विस्तार से अवगत कराया। कुलसचिव डा. काला ने संस्थान में हो रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के साथ ही प्रस्तावित सुमाड़ी कैंपस को लेकर भी जानकारियां दीं।

एनआइटी कैंपस श्रीनगर में अमृत महोत्सव को लेकर पौधारोपण के बाद संस्थान निदेशक प्रो. ललित अवस्थी, कुलसचिव डा. प्रभाकरमणि काला के साथ मध्य में बीओजी चेयरमैन डा. आरके त्यागी • जागरण

संतुलित रहना सफलता का मूल मंत्र

- 40 से अधिक फैकल्टियों और शिक्षणेत्तर कर्मियों ने किया प्रतिभाग
- एनआइटी में पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम संपन्न

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) श्रीनगर में उत्पादकता वृद्धि के लिए क्षमता निर्माण विषय पर आयोजित पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम संपन्न हो गया। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में एनआइटी की 40 से अधिक फैकल्टियों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के समापन सत्र को मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि योग का उदय भारत से ही हुआ है और यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि हम इस बहुमूल्य विरासत को अपने आने वाली पीढ़ियों तक ले जाएं।

एनआइटी निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि जीवन की हर परिस्थिति में संतुलित रहना सफलता का मूल मंत्र भी है, जो व्यक्ति हर परिस्थिति में संतुलन बनाए रख सकता है वह स्वयं और समाज दोनों को बेहतर ढंग से भी समझ सकता है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि भारत के गौरवशाली इतिहास ने दुनिया को राह दिखाई है। संस्कृति और उपलब्धियों से भरपूर गौरवशाली इतिहास की पूर्ण जानकारी हर युवा और छात्र को भी होनी चाहिए।

आर्ट आफ लीविंग संस्था के क्षेत्रीय निदेशक वरुण उपाध्याय ने कहा कि योग और प्राणायाम के अभ्यास की निरंतरता को बनाए रख हम जीवन में पूर्ण स्वस्थ और खुश रह सकते हैं। जीवन से तनाव को दूर करने के लिए स्वास नियंत्रण एक बेहतर विकल्प है। आर्ट आफ लीविंग संगठन की ही पालोमी मुखर्जी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। एनआइटी के फैकल्टी डवलपमेंट विभाग के डीन डा. अभिनव कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। डीन संकाय कल्याण डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी फैकल्टियों और कर्मचारियों के साथ (मध्य में) एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी • जागरण

हर परिस्थिति में संतुलित रहना सफलता का मूल मंत्र : प्रो. अवस्थी

संवाद न्यूज एजेंसी

एनआईटी में उत्पादकता वृद्धि के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समापन

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में उत्पादकता वृद्धि के लिए क्षमता निर्माण पर चर्चा की गई। पांच दिन तक चले कार्यक्रम में 40 से अधिक शिक्षकों और शिक्षणेतर कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

एनआईटी उत्तराखंड में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का रविवार को समापन हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि योग का उदय भारत से हुआ है। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि इस विरासत को हम अपनी आने वाली पीढ़ियों तक ले जाएं। उन्होंने व्यक्ति को जीवन की हर परिस्थिति में संतुलित रहने को सफलता का मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं और समाज दोनों को बेहतर ढंग से समझ सकता है, व्यवस्थित रख सकता है। वह देश के विकास में प्रभावी तरीके से योगदान दे सकता है। आर्ट ऑफ लिविंग के विशेषज्ञ वरुण उपाध्याय और पॉलोमी मुखर्जी ने कहा कि किसी भी कार्यक्रम का महत्व तब है, जब इसका निरंतर पालन करते रहें। कार्यक्रम में संयोजक संकाय एवं कर्मचारी विकास के समन्वयक डॉ. अभिनव कुमार और अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने भी विचार रखे।

एनआईटी के संकाय सदस्यों से सीखे क्षमता निर्माण के गुर

शाह टाइम्स संवाददाता

■ पांच दिवसीय एफडीपी कार्यशाला का समापन

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में उत्पादकता वृद्धि के लिए क्षमता निर्माण विषय आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया। पांच दिवसीय तक चले इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने इंटरएक्टिव सत्र, समूह चर्चा, अनुभवात्मक शिक्षा, टीम गति. विधियां, पैनल चर्चा, योग, प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया आदि गतिविधियों में प्रतिभा किया। समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि योग का उदय भारत से हुआ है और हम हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इस विरासत को अपनी आने वाली पीढ़ियों तक ले जाएं। इस कार्यक्रम कि थीम का चयन प्रधानमंत्री मोदी द्वारा वर्ष २०२२ के लिए घोषित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कि थीम योगा फॉर ह्यूमैनिटी के आधार पर किया गया था। उन्होंने कहा कि अगर हम आत्म-संतुष्ट है, खुश है, व्यवस्थित है और स्वयं को समझते है तभी हम अपने समाज, अपने संस्थान और अपने देश के विकास में अपना संपूर्ण योगदान दे सकते है। साथ ही उन्होंने व्यक्ति को जीवन कि हर परिस्थित में संतुलित रहने को सफलता का मूल मंत्र बताया। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति हर परिस्थिति में संतुलन बनाये रख सकता है वह स्वयं और समाज दोनों को बेहतर ढंग से समझ सकता है, व्यवस्थित रख सकता है और देश के विकास में प्रभावी तरीके से योगदान दे सकता है। उन्होंने संकाय सदस्यों से कहा कि वे भी अपने-अपने क्षेत्र में बहुत अच्छा काम कर सकते है। जिससे न केवल उनका स्वयं का बल्कि भारत देश का भी नाम दुनिया में रोशन होगा। प्रो. अवस्थी ने कहा कि सभी लोगो से मिल जुल कर काम करते हुए संस्थान को निरंतर आगे बढ़ाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग संगठन के युवा विकास के क्षेत्रीय निदेशक वरूण उपाध्यक्ष और संगठन के सरकारी कार्यक्रमों की क्षेत्रीय निदेशक पॉलोमी मुखर्जी ने कहा कि योग, प्राणायाम आदि का महत्व तब है यदि आप इनके अभ्यास की निरंतरता को बनाये रखते है। उन्होंने आगे कहा कि दैनिक जीवन में तनाव से निपटने के लिए श्वास नियंत्रण एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

एनईपी-2020 में समग्र विकास की गुणवत्ता व्यापक: कोठारी

■ एनआईटी में नई शिक्षा नीति को लेकर किया गया मंथन

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्था (एनआईटी) उत्तराखंड श्रीनगर के संकाय कल्याण अनुभाग की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-उच्च शिक्षण संस्थान में कार्यान्वयन में चुनौतियां विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव व शिक्षाविद् अतुल कोठारी ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने कहा एनईपी 2020 में समग्र विकास की गुणवत्ता व्यापक है। इस नीति में सभी के सकारात्मक और रचनात्मक सुझावों को अपनाया गया है। कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक संस्थान को एक कार्यसमिति बनानी चाहिए और इसके समय पर क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक माह समीक्षा बैठक करनी चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि आईआईटी दिल्ली के प्रो. चंद्रशेखर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत में तकनीकी शिक्षा को तर्कसंगत तरीके से बदलने की क्षमता है। कहा कि शिक्षा के मानव-तत्व को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और सीखने के अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग केवल एक सहायक उपकरण के रूप में किया जा सकता है। आईके गुजराल पंजाब तकनीकी विवि जालंधर के रजिस्ट्रार डा. सुशैंद्र कुमार मिश्रा ने भी शिक्षकों और छात्रों के समग्र विकास के लिए उच्च शिक्षा संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। एनआईटी श्रीनगर निद. शक प्रो ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का समग्र लक्ष्य भारत की शिक्षा प्रणाली के खोए हुए गौरव को फिर से स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि एनईपी 2020 का सुझाव है कि शिक्षा प्रणाली लचीली होनी चाहिए और इसे एनआईटी उत्तराखंड में लागू किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिनव कुमार ने किया।

दनिक जागरण, गुरूवार, 16 जून 2022, Page No.04.

एनआइटी में इंजीनियर और डाक्टर योग में हो रहे पारंगत

एनआइटी और मेडिकल कालेज में योग के विशेष शिविर, प्रो. अवस्थी व प्राचार्य प्रोफेसर डा. रावत के नेतृत्व सीख रहे गुर

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) श्रीनगर के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के छात्र-छात्राएं फैकल्टियां और श्रीनगर मेडिकल कालेज के चिकित्सक, मेडिकल छात्र-छात्राएं और कर्मचारी योग और प्राणायाम में पारंगत हो रहे हैं। जिसके लिए एनआइटी परिसर और मेडिकल कालेज परिसर में शुरू हुए एक सप्ताह के विशेष योग शिविर में एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और श्रीनगर मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर डा. चंद्रमोहन सिंह रावत के नेतृत्व में फैकल्टियां और छात्र-छात्राओं के साथ ही कर्मचारी भी शिविर में शिरकत कर प्राणायाम का अभ्यास कर रहे हैं।

दीप जलाकर श्रीनगर मेडिकल कालेज आडिटोरियम में योगाभ्यास शिविर का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि अतर सिंह असवाल • जागरण

प्राचार्य प्रोफेसर डा. चंद्रमोहन सिंह रावत के साथ श्रीनगर मेडिकल कालेज आडिटोरियम में योगाभ्यास करते मेडिकल कालेज के डाक्टर, कर्मचारी एवं अन्य • जागरण

श्रीनगर मेडिकल कालेज में जिला आयुर्वेद विभाग की ओर से नियुक्त प्रशिक्षक योग प्राणायाम का अभ्यास करा रहे है। जिससे प्रतिदिन प्रातः 7:30 से 8:30 बजे इन दोनों संस्थानों में हलासन, धनुरासन, वृक्षासन, ताड़ासन सहित अन्य योगाभ्यासों की गूंज प्रतिदिन सुनाई दे रही है। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और श्रीनगर मेडिकल कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर डा. चंद्रमोहन सिंह रावत भी स्वयं योग क्रियाएं करने के साथ ही अनुलोम विलोम, भ्रामरी सहित अन्य प्राणायाम भी कर रहे हैं। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने शिविर में योग प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते कहा कि योग भारत द्वारा विश्व को दिया गया सबसे बड़ा ज्ञान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता मिली। प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल से योग में भारत को अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिली।

उत्तराखंड की खबरें पढ़ें www.jagran.com/state/uttarakhand

योग में लीन रहा शहर, कई स्थानों पर किया योगाभ्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नगर क्षेत्र में जगह-जगह योग शिविरों आयोजित किए गये। इस दौरान हर कोई व्यक्ति योग के मुद्राओं को करते हुए दिखा। गढ़वाल विवि में योग दिवस के अवसर पर बिड़ला परिसर के डीएसडब्ल्यू और विवि के योगा विभाग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विवि कि कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने छात्र-छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए शपथ दिलाई। उन्होने कहा कि हमारी विचार धारा सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया: की है। उन्होंने योगा के छात्र-छात्राओं का आह्वान कि वे प्रधानमंत्री के घर-घर योग पहुंचाने के मंत्र को लेकर कार्य करें ताकि हर घर में योग का अलख जल सकें। मौके पर प्रति कुलपति प्रो.

■ गढ़वाल विश्वविद्यालय एनआईटी सहित विभिन्न स्थानों पर मना योग दिवस

आरसी भट्ट, डीएसडब्ल्यू प्रो. एमएस नेगी, प्रो. किरण डंगवाल, डा. एसएस बिष्ट, एके मोहन्ति, डा. डीके राणा, अनीस, अरुणा रौथाण आदि मौजूद थे।योग दिवस पर एनआईटी श्रीनगर सात दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। इस मौक पर एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थि ने कहा कि योग कोई धर्म नहीं अपितु एक विज्ञान है। वहीं विश्व योग दिवस पर पौड़ी जिले के सभी शक्ति केंद्रों पर योग दिवस मनाया गया। जिसमें लोगों ने योग की विधाएं सीखी और प्रतिज्ञा करते हुए योग को दैनिक जीवन में उतारने की संकल्प लिया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पौड़ी जिले के संयोजक गणेश भट्ट ने बताया हमारे शरीर को नित्य शारीरिक कार्य चाहिए होती है। जिससे हमारा शरीर स्वस्थ्य रहें सके। वहीं दूसरी ओर श्रीकोट गंगानाली में पंतजली योग पीठ समिति श्रीकोट के तत्वाधान में योग दिवस मनाया गया। जिसमें योग से होने वाले लाभों को बताया गया। शिविर में समिति की जिला प्रभारी शशि नेगी, लक्ष्मी उनियाल, मुन्नी, परमेश्वरी, अतुल उनियाल, संजय कुमार, डा. शशि पाण्डे, राजेश्वरी, हेमलता, सावित्रि झिक्वाण आदि मौजूद थे। मौके पर रेश्मा पंवार, दीपक कुमार मौजूद थे। वहीं राबाइंका श्रीनगर परिसर राइंका श्रीनगर व राबाइंका श्रीनगर में 37 एनसीसी कैडिटों द्वारा एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेट आनंद सिंह लिंगवाल मौजूद रहे।

दैनिक जागरण, गुरूवार, 23 जून 2022, Page No.02.

स्टार्टअप को लेकर कौशल में आएगा निखार

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: शैक्षणिक और शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रोपड़ के मध्य समझौता हुआ। इससे एनआइटी श्रीनगर के छात्र-छात्राओं को आइआइटी रोपड़ के संयुक्त पर्यवेक्षण में समाज से जुड़े नए-नए शोध करने के अवसर भी मिलेंगे। एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और आइआइटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

बुधवार को एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर और आइआइटी रोपड़ के बीच हुए एमओयू कार्यक्रम में (दायें से चौथे) एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी, आइआइटी रोपड़ निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ● जागरण

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि इस एमओयू के जरिये एनआइटी के छात्र एंटरप्रिन्योरशिप और स्टार्टअप को लेकर अपने कौशल में और निखार भी ला सकेंगे। जिसके लिए इच्छुक छात्र-छात्राओं को आइआइटी रोपड़ के इन्क्यूवेशन सेंटर में अपना पंजीकरण कराने की सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि आइआइटी रोपड़ में स्थापित कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब को लेकर एनआइटी के एक प्रस्ताव को चुना गया है। छात्रों के डिजाइन कौशल को तेज करने के लिए एनआइटी के छात्रों के लिए एक टिंकरिंग प्रयोगशाला भी इस एमओयू के माध्यम से स्थापित की जाएगी। आइआइटी रोपड़ के साथ हुए एमओयू से समाज के व्यापक हित में कई बड़े शोध कार्य भी परवान चढ़ेंगे, जिससे एनआइटी के साथ ही उत्तराखंड की जनता को भी विशेष रूप से लाभ मिलेगा। आइआइटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने कहा कि एनआइटी के मेधावी छात्र अपने स्नातक प्रोग्राम के अंतिम सेमेस्टरों में आइआइटी रोपड़ आकर लाभ ले सकते हैं। एक चयन प्रक्रिया के माध्यम से आइआइटी में एनआइटी के छात्र पीएचडी प्रोग्राम को लेकर अपना अध्ययन भी अब जारी रख सकेंगे। प्रो. आहूजा ने आश्वस्त करते हुए कहा कि एनआइटी उत्तराखंड के छात्रों को आइआइटी रोपड़ की प्रयोगशाला की सुविधाओं का उपयोग करने का भी अवसर मिलेगा।

अमर उजाला, गुरूवार, 23 जून 2022, Page No.07.

एनआईटी और आईआईटी रोपड़ के बीच हुआ एमओयू

संकाय सदस्यों और छात्रों के कौशल विकास के साथ ही समाज को होगा फायदा

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ पंजाब में संकाय सदस्यों और छात्रों की कार्यकुशलता एवं कौशल विकास के लिए एमओयू (समझौता पत्र) हो गया है।

एमओयू के दौरान मौजूद एनआईटी और आईआईटी रोपड़ के निदेशक व अन्य।

एमओयू के बाद दोनों संस्थान शैक्षिक, शोध कार्यों को साझा कर सकते हैं। एनआईटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और आईआईटी रोपड़ पंजाब के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

प्रो. अवस्थी ने बताया कि इस समझौते से एनआईटी उत्तराखंड के प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी अंतिम सेमेस्टर की शैक्षणिक गतिविधियों को संपन्न करने के लिए आईआईटी रोपड़ पंजाब में जाने का मौका मिलेगा। साथ ही उद्यम और स्टार्टअप के इच्छुक छात्र आईआईटी रोपड़ के इन्क्यूबेशन सेंटर में अपना पंजीकरण कर अपने कौशल को निखार सकेंगे।

छात्रों के कौशल विकास के लिए परियोजना के तहत प्रयोगशाला भी स्थापित की जाएगी। एनआईटी उत्तराखंड ने आईआईटी रोपड़ में स्थापित कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब के तहत छह प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों संस्थानों के बीच हुए समझौते से कई बड़े और सामाजिक हित के शोध होंगे, जिससे संस्थान के साथ ही आम जनमानस को लाभ होगा। आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. आहूजा ने कहा कि समझौते से एनआईटी उत्तराखंड के होनहार छात्र अपने स्नातक प्रोग्राम के अंतिम सेमेस्टर में आईआईटी रोपड़ आ सकते हैं।

वह प्रोग्राम पूरा होने के बाद चयन प्रक्रिया के माध्यम से पीएचडी में अपना अध्ययन जारी रख सकेंगे। उन्होंने एनआईटी उत्तराखंड के छात्रों को आईआईटी की प्रयोगशाला की सुविधाओं के उपयोग का भी आश्वासन दिया।

हिन्दुस्तान, गुरूवार, 23 जून 2022, Page No.07.

एनआईटी और आईआईटी के बीच एमओयू हुआ

एनआईटी श्रीनगर और आईआईटी रोपड़ के बीच बुधवार को एमओयू हुआ।

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के बीच मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन(एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए।

इस एमओयू पर एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी एवं आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहुजा ने हस्ताक्षर किये। इस समझौते के अंतर्गत छात्र और संकाय का एक पूर्व निर्धारित समयावधि के लिए विनिमय, संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण, संयुक्त और सहयोगी अनुसंधान कार्यों, शोध छात्रों का संयुक्त पर्यवेक्षण के साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रों में संगोष्ठी, सम्मेलन और अकादमिक कार्यशालाओं इत्यादि का संयुक्त आयोजन करना शामिल है।एनआईटी निदेशक प्रो.अवस्थी ने कहा कि इससे एनआईटी, उत्तराखंड के प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी अंतिम सेमेस्टरों कि शैक्षणिक गतिविधिओ को आईआईटी रोपड़ में करने का अवसर मिलेगा। साथ ही इंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप के इच्छुक छात्र आईआईटी रोपड़ के इन्क्यूबेशन सेंटर में अपना पंजीकरण करा सकेंगे और अपने कौशल को निखार सकेंगे। उन्होंने कहा कि एनआईटी ने आईआईटी रोपड़ में स्थापित कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब (एडब्ल्यूएडीएच) के तहत छह प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे। साथ ही, छात्रों के डिजाइन कौशल को तेज करने के लिए इस परियोजना के तहत एनआईटी यूके के छात्रों के लिए एक टिंकरिंग प्रयोगशाला भी स्थापित की जाएगी।

एनआईटी व आईआईटी रोपड के बीच एमओयू

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के बीच मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए है। इस एमओयू पर एनआईटी, उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी एवं आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थानों के निदेशकों द्वारा दिए गए साझा बयान में बताया गया कि इस समझौते के अंतर्गत छात्र और संकाय का एक पूर्व निर्धारित समयावधि के लिए विनिमय, संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण, संयुक्त और सहयोगी अनुसंधान कार्यों, शोध छात्रों का संयुक्त पर्यवेक्षण के साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रों में संगोष्ठी, सम्मेलन और अकादमिक कार्यशालाओं इत्यादि का संयुक्त आयोजन करना शामिल है। इस समझौता ज्ञापन का स्वागत करते हुए निदेशक प्रो. अवस्थी ने कहा कि इससे एनआईटी, उत्तराखंड के प्रतिभाशाली छात्रों को अपनी अंतिम सेमेस्टरों कि शैक्षणिक गति. विधिओ को आईआईटी रोपड़ में करने का अवसर मिलेगा। साथ ही इंटरप्रेन्योरशिप और स्टार्टअप के इच्छुक छात्र आईआईटी रोपड़ के इन्क्यूबेशन सेंटर में अपना पंजीकरण करा सकेंगे और अपने कौशल को निखार सकेंगे। उन्होंने कहा कि एनआईटी, उत्तराखंड ने आईआईटी रोपड़ में स्थापित कृषि और जल प्रौद्योगिकी विकास हब (एडब्ल्यूएडीएच) के तहत छह प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे। इसमें से एक प्रस्ताव आंशिक रूप से चुना गया है और इसमें संशोधन की आवश्यकता है। यह प्रस्ताव दोबारा भेजा जाएगा। साथ ही, छात्रों के डिजाइन कौशल को तेज करने के लिए इस परियोजना के तहत एनआईटी यूके के छात्रों के लिए एक टिंकरिंग प्रयोगशाला भी स्थापित की जाएगी। उन्होंने आश्वाशन दिया कि वे एनआईटी, उत्तराखंड के छात्रों को आईआईटी रोपड़ कि प्रयोगशाला सुविधाओं का उपयोग करने का भी अवसर प्रदान करेंगे।